केंद्र ने सोयाबीन खरीद की समयसीमा बढ़ाई

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने महाराष्ट्र, राजस्थान और तेलंगाना से सोयाबीन **की खरीद की समयसीमा बढ़ाने** का निर्णय किया है।

मुख्य बिंदु

- **सोयाबीन खरीद की समय सीमा बढ़ाई गई:**
  - सभी राज्यों में सोयाबीन की कुल खरीद **13.68 लाख टन तक पहुँच गई है,** जबकि लक्ष्य 33.60 लाख टन का था।
  - मंत्रालय ने खरीद में कमी के लिये राज्य सरकारों को ज़िम्मेदार ठहराया और कहा कि खरीद व्यवस्था करने की ज़िम्मेदारी राज्य सरकारों की है।
- **कृषि मुद्दों पर समीक्षा बैठक:**
  - कृषि मंत्री ने कृषि से संबंधित **प्रमुख मुद्दों पर चर्चा करने के लिये वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।**
  - विषयों में **कृषि उपज प्रबंधन,** कृषि उत्पादों **का विपणन, आयात-निर्यात गतिशीलता** और मौसम की स्थिति शामिल थे।
  - उन्होंने **कृषि चुनौतियों के समाधान के लिये राज्य कृषि मंत्रियों के साथ समय-समय पर बैठकें आयोजित करने पर ज़ोर दिया।**

सोयाबीन की फसल

- सोयाबीन भारत में खरीफ की फसल है।
- सोयाबीन (ग्लाइसिन मैक्स) विश्व की सबसे महत्त्वपूर्ण बीज फली है, जो **वैश्विक खाद्य तेल में 25% का योगदान देती है,** पशुधन आहार के लिये विश्व प्रोटीन सांद्रण का लगभग दो तिहाई है तथा मुर्गी **और** मछली **के लिये तैयार आहार में एक मूल्यवान घटक है।**
- यह मुख्य रूप से वर्टिसोल और संबद्ध मृदा में वर्षा आधारित फसल के रूप में उगाया जाता है, जहाँ फसल के मौसम में औसत वर्षा 900 मिमी. होती है।
- **भारत में प्रमुख उत्पादक राज्य:** मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/centre-extends-deadline-to-procure-soybean